आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 25.08.2025
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- गृह मंत्री अमित शाह ने संविधान, 130वें संशोधन, विधेयक का विरोध करने के लिए विपक्षी दलों की आलोचना की।
- भारतीय वायुसेना चिन्यालीसौड़ और गौचर हवाई पट्टियों का संचालन करेगी। पिथौरागढ़ हवाई अड्डे के विस्तार पर 450 करोड़ रुपए खर्च होंगे।
- प्रदेश में कार्बन क्रेडिट के लिए पर्यावरण विभाग, नोडल विभाग के रूप में कार्य करेगा।
- आलू बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनेगा चम्पावत, स्थानीय किसानों को सीधा लाभ मिलेगा।

गृह मंत्री

गृह मंत्री अमित शाह ने संविधान, 130वें संशोधन, विधेयक का विरोध करने के लिए विपक्षी दलों की आलोचना की है। एक समाचार एजेंसी को दिए साक्षात्कार में, श्री शाह ने आरोप लगाया कि विपक्षी नेता जेल में रहते हुए भी सरकार बनाने और चलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही इस विधेयक के तहत प्रधानमंत्री पद को लाने पर ज़ोर दिया था।
श्री शाह ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर विपक्ष के सवालों पर कहा कि विपक्ष को इस मुद्दे को ज्यादा नहीं बढ़ाना चाहिए।

हवाई पट्टियां संचालन

प्रदेश सरकार राज्य के सीमांत जिलों में हवाई सेवाओं के विस्तार पर विशेष जोर दे रही है। इससे स्थानीय निवासियों के साथ ही सामरिक जरूरतों को भी पूरा किया जा सकता है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने उत्तरकाशी के चिन्यालीसौड़ और चमोली के गौचर स्थित हवाई पट्टियों का संचालन भारतीय वायुसेना के हवाले करने पर सैद्धांतिक सहमति प्रदान की है। इसी तरह प्रदेश सरकार, पिथौरागढ़ हवाई अड्डे पर बढ़ती हवाई सेवाओं को देखते हुए, इसका संचालन भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के जरिए करने पर सैद्धांतिक तौर पर सहमत हो गई है। इसके लिए राज्य सरकार और प्राधिकरण के बीच समझौते पर सहमति बन गई है। सरकार, पिथौरागढ़ हवाई अड्डे का विस्तार भी करने जा रही है, जिस पर करीब 450 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके अलावा सरकार, गुंजी से आदि कैलाश क्षेत्र में हवाई सेवा शुरु करने के लिए यहां एक किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी बनाने की तैयार कर रही है। इस हवाई पट्टी के निर्माण में भी वायुसेना द्वारा तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि सीमांत प्रदेश में हवाई नेटवर्क का विस्तार जरूरी है, इससे स्थानीय निवासियों के साथ ही सामरिक जरूरतों की भी पूर्ति संभव होगी। इसके लिए वायुसेना का भी सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिथौरागढ़ हवाई अड्डे का शीघ्र विस्तार किया जाएगा।

थराली आपदा

चमोली जिले के आपदा प्रभावित थराली में सभी मूलभूत व्यवस्थाओं को बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है। जिला प्रशासन प्रभावित क्षेत्र पर लगातार निगरानी बनाए हुए है। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत और गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने आज आपदा प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने कुलसारी में आपदा राहत शिविर का निरीक्षण कर प्रभावितों से मुलाकात की और उन्हें हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने राहत शिविर में उपलब्ध व्यवस्थाओं के संबंध में पीड़ितों से फीडबैक भी लिया। उन्होंने कहा कि हर प्रभावित परिवार के लिए आवश्यक सहयोग और राहत की सभी सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। इस दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि प्रभावितों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और उन्हें समय पर सभी आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए। अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश ने

भी आज आपदा प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने चेपड़ो गांव में प्रभावितों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और प्रशासन की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

शहीद मेजर दुर्गा मल्ल पुण्यतिथि

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज देहरादून में आज़ाद हिंद फौज के शहीद मेजर दुर्गा मल्ल को उनकी 81वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों और प्रमुख हस्तियों को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम उत्तराखंड राज्य नेपाली भाषा समिति और अन्य संगठनों द्वारा आयोजित किया गया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मेजर दुर्गा मल्ल आज़ाद हिंद फ़ौज के पहले गोरखा सैनिक थे, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने मेजर दुर्गा मल्ल के साहस और त्याग को देश की अमूल्य धरोहर बताते हुए कहा कि उनकी गाथा आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरणा देती रहेगी। उन्होंने लोगों से ऐसे आयोजनों में सक्रिय भागीदारी करने और शहीदों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान भी किया।

मुख्य सचिव बैठक

प्रदेश में पर्यावरण विभाग, कार्बन क्रेडिट के लिए नोडल विभाग के रूप में कार्य करेगा। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने आज सचिवालय में कार्बन क्रेडिट को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों की एक बैठक में ये निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य का अधिकतम भूभाग वन से आच्छादित है, इसलिए राज्य के लिए कार्बन क्रेडिट बहुत महत्त्वपूर्ण है। यह न सिर्फ पर्यावरण संरक्षण में मदद करता है, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास के भी नए अवसर पैदा करता है। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य के किसान और स्थानीय समुदाय कार्बन क्रेडिट अर्जित कर सकते हैं और उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में बेचकर अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लिए कार्बन क्रेडिट, आय के नए स्रोत के रूप में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। श्री बर्द्धन ने कहा कि वन, कृषि और सहकारिता विभाग में कार्बन क्रेडिट की असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने संबंधित विभागों को कार्बन क्रेडिट की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय समुदायों की सहभागिता से जैव विविधता का संरक्षण होगा और सतत जीवनशैली को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा पर्वतीय क्षेत्रों में युवाओं को रोजगार के नए अवसर के साथ ही किसानों को अतिरिक्त आय का अवसर भी मिलेगा।

आलू बीज उत्पादन

चम्पावत जिले में उद्यान विभाग की ओर से आलू की खेती व बीज उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए आलू बीज उत्पादन फेडरेशन की स्थापना जैसी नई पहल की जा रही है। इसी क्रम में लोहाघाट विकासखंड के ग्राम बलाई में एक खुली बैठक आयोजित की गई। जिला उद्यान अधिकारी हरीश लाल कोहली की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ग्राम प्रधान जीवन सिंह बिष्ट सहित लगभग 25 किसान उपस्थित रहे। किसानों को फेडरेशन के गठन की प्रक्रिया, इससे होने वाले लाभ और आलू बीज उत्पादन से जुड़ी तकनीकी जानकारी विस्तार से दी गई। बैठक में बताया गया कि फेडरेशन के माध्यम से किसानों को अब उच्च गुणवत्ता वाले आलू बीज स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेंगे, जिससे उनकी बाजार पर निर्भरता कम होगी। साथ ही विपणन और वितरण की बेहतर व्यवस्था से किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। किसानों द्वारा गठित समिति में अध्यक्ष और सचिव का चयन कर, कार्यों का संचालन किया जाएगा। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि अभी तक जिले में आलू के बीज बाहर से आयात करने पड़ते थे, लेकिन इस पहल से न केवल स्थानीय स्तर पर ही अच्छी गुणवत्ता के बीज उपलब्ध होंगे, बल्कि अतिरिक्त बीज को अन्य जिलों में भी बेचा जा सकेगा। यह पहल किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के साथ ही चम्पावत को आलू बीज उत्पादन का आत्मनिर्भर केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

जागड़ा पर्व

देहरादून जिले के जौनसार बावर क्षेत्र में कल से शुरु हो रहे जागड़ा पर्व की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस पर्व की शुरुआत महासु महाराज मंदिर, हनोल से होगी। इसके बाद 27 अगस्त को थेना, भंजरा, बिसोई, सलगा और लखवाड़ समेत कई गांवों में यह पर्व उल्लास के साथ मनाया जाएगा। पर्व को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। ग्रामीण अपने–अपने मंदिरों और घरों की साफ–सफाई में जुटे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह पर्व सिर्फ धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और भाईचारे का प्रतीक भी है। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि जागड़ा पर्व में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सभी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।